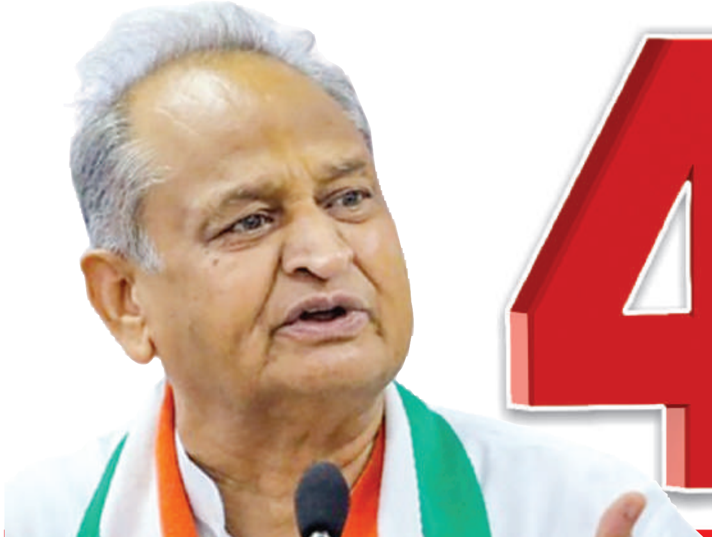

सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 29 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 2 मार्च, 2023

मूल्य ₹ 3/-

याद रखिये सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।

-सुभाष चन्द्र बोस

संगठित अपराध के खिलाफ अशोक गहलोत... 7 | छापेमारी: कानूनी या सियासी, बहस... 3 | पूंजीपतियों का मुनाफा बढ़ा रही... 2

त्रिपुरा-नगालैंड में बीजेपी की सरकार

मेघालय में त्रिशंकु विधानसभा

» मेघालय में एनएनपी सबसे बड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों के चुनावों के रुझान आ गये है। वोटों की गिनती अभी जारी है। जहां त्रिपुरा व नागालैंड में बीजेपी की सरकार बनती दिख रही वही मेघालय में त्रिशंकु विधान सभा बनने के आसार हैं। वहां पर एनएनपी को बढ़त मिल रही है।

मेघालय विधानसभा चुनावों के रुझान आने शुरू हो गए हैं। रुझानों में किसी भी पार्टी को बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है, लेकिन ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी बेहतर प्रदर्शन कर रही है। फिलहाल, टीएमसी 5 सीटों पर आगे चल रही है। मेघालय में सीएम कोनराड सांगमा की पार्टी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) सबसे ज्यादा 26 सीटों के साथ आगे है। राज्य में दूसरे नंबर के लिए अब भाजपा और टीएमसी के बीच जंग होती दिख रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी और इस बार भी लग रहा था कि वो ज्यादा सीटें लाएगी। पिछले चुनावों में टीएमसी की एक भी सीट नहीं थी और कांग्रेस की 21 सीटें आई थी, लेकिन एनपीपी ने भाजपा और अन्य के साथ सरकार बना ली थी। इसके बाद वर्ष 2021 में कांग्रेस के 21 में से 12 विधायक टीएमसी में चले गए थे, जिसके बाद से ममता की पार्टी ने वहां अपनी पैठ बिठानी शुरू की। नगालैंड में भाजपा गठबंधन को 40 सीटों और त्रिपुरा में 33 सीटों पर बढ़त है। मेघालय में एनएनपी 24 सीटों पर आगे है। भाजपा यहां 5 सीटों तक सिमटती दिखाई दे रही है।

मेघालय — रुझान/नतीजे (कुल सीटें 59, बहुमत 30)

बीजेपी	03
एनएनपी	25
कांग्रेस	05
टीएमसी	05
अन्य	21

त्रिपुरा — रुझान/नतीजे (कुल सीटें 60, बहुमत 31)

बीजेपी	34
कांग्रेस+टीएमसी	14
टीएमपी	12
अन्य	00

नगालैंड — रुझान/नतीजे (कुल सीटें 60, बहुमत 31)

बीजेपी	36
एनपीएफ	02
कांग्रेस	00
अन्य	22

त्रिपुरा में भाजपा की वापसी

त्रिपुरा मे भाजपा 60 में से 34 सीटों पर आगे चल रही है। वहीं अगरतला में मुख्यमंत्री माणिक साहा के आवास पर मिठाइयां बांटी जा रही हैं। कार्यकर्ता कह रहे हैं फिर से सत्ता में वापसी। भाजपा फिर 31 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर गई है। त्रिपुरा बीजेपी अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य शुरुआती रुझानों में बनमालीपुर विधानसभा क्षेत्र में 493 मतों के अंतर से पीछे चल रहे हैं। त्रिपुरा में भाजपा गठबंधन 14 सीटों पर आगे चल रहा है। लेफ्ट और कांग्रेस का गठबंधन 6 सीटों पर आगे है। टिपरा मोथा पार्टी 5 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है।

नगालैंड में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा किया पार

नगालैंड में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। नगालैंड में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की पार्टी आरपीआई (आठवले) ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है।

5 राज्यों में उपचुनाव : कसबा पेठ में कांग्रेस जीती, भाजपा पुणे के चिंचवाड़ में आगे

नई दिल्ली। पांच राज्यों की विधानसभा सीटों के उपचुनाव की मतगणना भी आज हो रही है। फिलहाल, रामगढ़ (झारखंड) उपचुनाव में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी आगे चल रही है। चिंचवाड़ (पुणे, महाराष्ट्र) उपचुनाव में भाजपा आगे हैं। कस्बा पेठ सीट (पुणे, महाराष्ट्र) पर कांग्रेस ने जीत दर्ज कर ली है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के सागरदिघी सीट से लेफ्ट समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार बायरन बिस्वास आगे हैं। तमिलनाडु की इरोड ईस्ट उपचुनाव में कांग्रेस के ईवीकेएस एलंगोवन आगे चल रहे हैं।

नई पार्टी टिपरा मोथा का दिखा दम

त्रिपुरा में सबसे ज्यादा चर्चा राजा प्रद्योत देबबर्मा की हो रही है। राजा प्रद्योत देबबर्मा ने चुनाव से ठीक पहले एक नई पार्टी बनाई थी, जिसका नाम रखा गया टिपरा मोथा पार्टी। शुरुआती रूझान के अनुसार, इस पार्टी को करीब 10 सीटें मिल सकती हैं। अगर नतीजों में कुछ भी उलटफेर हुआ तो राजा प्रद्योत देबबर्मा किंगमेकर साबित हो सकते हैं। प्रद्योत ने कुछ शर्तों के साथ भाजपा गठबंधन को समर्थन देने का एलान भी कर दिया है।

यूपी के महेन्द्र व महेश की जुगलबंदी का असर

लखनऊ। त्रिपुरा में भाजपा की जीत में यूपी की भी अहम भूमिका रही। भाजपा नेतृत्व ने महेन्द्र सिंह व महेश शर्मा को वहां के चुनावों की जिम्मेदारी दी थी। महेश शर्मा त्रिपुरा के बीजेपी के प्रभारी हैं। जबकि महेन्द्र सिंह को चुनावों का प्रभारी बनाया गया था।

नगालैंड में पहली बार महिला विधायक

नई दिल्ली नगालैंड विधानसभ चुनाव में एक इतिहास रचा गया है। राज्य में पहली बार किसी महिला उम्मीदवार ने विधानसभा चुनाव जीता है। दीमापुर तृतीय विधानसभा से हेकानी जखालू ने जीत दर्ज की है। हेकानी को भाजपा और एनडीपीपी गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में उतरी थीं। उन्होंने लोजपा (रामविलास) की अजेतो जिमोमी को 1536 वोटों से मात दी। राज्य में विधानसभा चुनाव में सिर्फ चार महिला उम्मीदवारों को टिकट मिला था।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सरकार नहीं, समिति करेगी मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति

» पीएम, नेता विपक्ष व चीफ जस्टिस कमेटी के सदस्य होंगे, कॉलेजियम जैसी व्यवस्था पर की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोट ने अहम फैसले में कहा कि अब प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और चीफ जस्टिस की कमेटी निर्वाचन आयुक्त का चुनाव करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी व्यवस्था बनाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को अपना फैसला सुनाया।

न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ अपने फैसले में कहा कि प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष या सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया की कमेटी मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों का चयन करेगी। हालांकि, नियुक्ति का अधिकार राष्ट्रपति के पास ही रहेगा।

पीठ में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार शामिल हैं। पीठ ने पिछले साल 24 नवंबर को इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जस्टिस जोसेफ ने कहा कि आयोग को कानून के दायरे में रहते हुए काम करना चाहिए।

इसलिए उभरा था नयुक्ति पर सवाल

इससे पहले शीर्ष अदालत ने पूर्व नौकरशाह अरुण गोयल को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त करने में केंद्र द्वारा दिखाई गई जल्दबाजी पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी फाइल 24 घंटे में विभागों से बिजली की गति से पास हो गई। हालांकि, केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत की टिप्पणियों का जोरदार विरोध किया था। अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने तर्क दिया था कि उनकी नियुक्ति से संबंधित पूरे मामले को संपूर्णता से देखने की जरूरत है।

हाथरस कांड : कोर्ट ने मुख्य आरोपी संदीप को माना दोषी

» रामू, रवि और लवकुश को किया बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हाथरस। बूलगढ़ी कांड में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपित संदीप को धारा 304 और एससी/एसटी एक्ट के तहत दोषी माना है। अन्य आरोपित रामू, रवि और लवकुश को वरी करने का आदेश दिया गया है। पीड़िता के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी है। 28 सितंबर को युवती को अलीगढ़ से दिल्ली रेफर किया गया। 29 को उसकी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई।

युवती की मौत के बाद यह मामला गरमा गया। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, भीम आर्मी के चंद्रशेखर आजाद समेत देशभर के नेता, संगठनों से जुड़े लोग बूलगढ़ी पहुंचे थे। सीबीआइ ने इस मामले में 67 दिन की जांच के बाद 18 दिसंबर 2020 को चारों आरोपितों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की धाराओं में चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की। 4 जनवरी 2021 को पहली सुनवाई हुई। सीबीआइ ने 104 लोगों को गवाह बनाया था, जिनमें से 35 लोगों की गवाही हुई थी।

अनुसूचित जाति की एक युवती पर हुआ था हमला

बूलगढ़ी में 14 सितंबर 2020 को अनुसूचित जाति की एक युवती पर हमला हुआ था। युवती के भाई ने गांव के ही संदीप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बाद में युवती के बयानों के आधार पर रवि, रामू और लवकुश के नाम और धाराएं बढ़ाई गईं। युवती का इलाज एएमयू के जेएन मेडिकल कालेज में चला।

पूंजीपतियों का मुनाफा बढ़ा रही भाजपा सरकार : अखिलेश

» गैस, दाल, तेल, आटा की महंगाई से लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

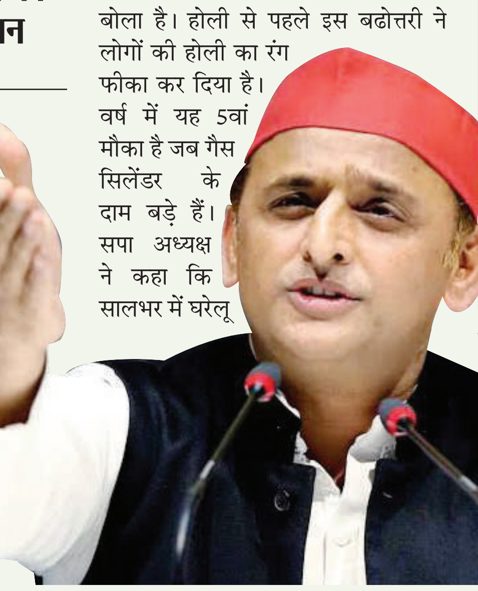

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर लगातार महंगाई बढ़ाने के काम में लगने का आरोप लगाया है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीपतियों के साथ खड़ी है और तेल कंपनियों का मुनाफा बढ़ा रही है। देश की अर्थव्यवस्था तबाह करने के बाद भाजपा सरकार आम जन की घरेलू अर्थव्यवस्था को तहत नहस कर दिया है।

बिजली और घरेलू गैस सिलेंडर का दाम बढ़ाकर भाजपा सरकार ने आम जनता पर हमला बोला है। होली से पहले इस बढोत्तरी ने लोगों की होली का रंग फीका कर दिया है। वर्ष में यह 5वां मौका है जब गैस सिलेंडर के दाम बड़े हैं। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सालभर में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम करीब दो सौ रूपये बढ़ गए हैं। डीजल-पेट्रोल पहले से ही महंगा हैं। दाल, तेल, आटा की महंगाई से लोग परेशान है। सरकार जनता को राहत देने के बजाय संकट बढ़ा रही है।

बिजली का करंट लगाने का भी इंतजाम कर रही सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार बिजली के बिल बढ़ाकर बिजली का करंट लगाने का भी इंतजाम करने में लगी है। लगभग 23 प्रतिशत बिजली दरों में वृद्धि का प्रस्ताव है। यह सब बिजली कंपनियों और बड़े पूंजीघरानों के दबाव में होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई से आक्रोशित जनता सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी। उत्तर प्रदेश के साथ पूरे देश में भाजपा सरकार की कारगुजारी उजागर हो चुकी है।

हम सरकार से हटते नहीं तो सारी योजनाएं पूरी करते : शिवपाल यादव

लखनऊ। यूपी विधानसभा में बजट पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए जहां नेता प्रतिपक्ष व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कटाक्ष किए वहीं उनके चाचा शिवपाल सिंह यादव पर विनम्र रहे और कहा कि हम आपके संघर्षों का सम्मान करते हैं। आपके साथ अन्याय हुआ है। मुख्यमंत्री योगी ने सिंचाई योजना का उल्लेख करते हुए अपनी सरकार में किए गए कार्य का वर्णन किया। उन्हें बीच में ही टोकते हुए शिवपाल ने कहा ...अगर हम हटाए न जाते तो योजना पूरी कर देते । हमने करीब-करीब 90 फीसदी काम पूरा कर दिया था। जिस पर योगी बोले, जनता को पता था कि आप नहीं कर पाएंगे इसलिए हमें चुना गया जिस पर शिवपाल बोले ...अगर हटाए न जाते तो पूरा कर देते। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम तो जानते हैं कि आप विकास करना चाहते थे पर काम नहीं करने दिया गया। अगर हमारी तरफ होते तो अच्छा होता। इस पर शिवपाल ने कहा कि हम तीन साल तक आपसे संपर्क में रहे... योगी बोले, हम अब भी संपर्क में हैं... योगी ने कहा कि अब किसी को कंफ्यूजन नहीं होना चाहिए...। इस पर सदन ठहाकों से गूंज उठा। योगी के भाषण के दौरान शिवपाल ने कई बार उन्हें टोंकते हुए खुद के मंत्री रहते हुए कराए गए विकास कार्यों का जिक्र किया। इस पर योगी ने कहा कि आप संघर्षों से बढ़े हैं। हमारे यहां संघर्षों का सम्मान होता है। सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव मौजूद नहीं थे।

पैसा पॉलीथीन में बांधकर जमीन में दबाकर रखें : हेमंत सोरेन

» देश की डगमग अर्थव्यवस्था के लिए भाजपा जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बीजेपी सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि बैंको में पैसा रखने से बेहतर है उसे जमीन में दबा कर रखें। विधानसभा में उन्होंने कहा है कि आज बैंकों में पैसा रखने से बेहतर है कि रुपए को पॉलीथीन में बांधकर जमीन में गाड़ दिया जाए।

हालत यह हो गई है कि बैंक और एलआईसी जैसी संस्थाएं किस रोज डूब जाएं पता नहीं। मुख्यमंत्री विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। उन्होंने केंद्र की सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने देश की डगमग अर्थव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री के भाषण के दौरान भाजपा के विधायकों ने सदन का बहिष्कार कर दिया। उनकी अनुपस्थिति में सोरेन ने कहा कि विपक्ष के लोग ऐसे समूह से आते हैं, जिनके पास असीम शक्तियां हैं। ये उस समुदाय के लोग हैं, जो गुजरात चलाते हैं, महाराष्ट्र चलाते हैं और पूरा देश चलाते हैं।

मनीष साफ-सुथरी छवि के नेता : शांता कुमार

» हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री बोले-आप की सत्ता में वापसी एक उपलब्धि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने आप नेता मनीष सिसोदिया की तारीफ की है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे आप नेता की साफ-सुथरी छवि के लिए सराहना की। शांता कुमार ने कहा कि संभव है कि उन्होंने पार्टी और चुनाव के लिए पैसा इकट्ठा करने के वास्ते यह सब किया हो।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 2021-22 के लिए शराब नीति बनाने और उसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार को लेकर सिसोदिया को रविवार की शाम गिरफ्तार किया था। यह नीति अब रद्द की जा चुकी है। अपनी टिप्पणी से पार्टी के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाले शांता कुमार ने कहा

कि आप ने केंद्र सरकार की नाक के नीचे दिल्ली में बीजेपी को हराकर सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने पांच साल तक काम किया और फिर सत्ता में वापसी की, जो एक बड़ी उपलब्धि है। फेसबुक पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार बीजेपी नेता ने कहा कि सिसोदिया ने एक साफ-सुथरी छवि वाले उपमुख्यमंत्री के रूप में ख्याति अर्जित की, जिसने सराहनीय काम किया और वह अब जेल में हैं। शांता कुमार ने कहा कि दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसकी कल्पना करना कठिन है कि बिना किसी अपराध के ही सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को जेल में डाला होगा।

पार्टी के लिए पैसा इकट्ठा करने का होता है दबाव

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सिसोदिया व्यक्तिगत तौर पर एक ईमानदार व्यक्ति हैं, लेकिन हो सकता है कि उन्होंने पार्टी और चुनाव के लिए पैसा इकट्ठा करने के वास्ते यह सब किया हो। मेरे विचार से यही सच है और यदि यह सच है तो देश को बड़ी गंभीरता से कुछ नये निर्णय करने होंगे। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक पार्टियां बड़े-बड़े व्यापारियों से धन लेती है और सत्ता हासिल करने पर सरकार की मदद से भ्रष्टाचार द्वारा इस पैसे की भरपाई करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के बाद विजयी उम्मीदवार निर्वाचन आयोग के पास चुनाव मे खर्च होने का झूठा हिसाब पेश करते है। जिस देश का लोकतंत्र काले धन और झूठ से शुरू होता है उस देश में सब अच्छा कैसे हो सकता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

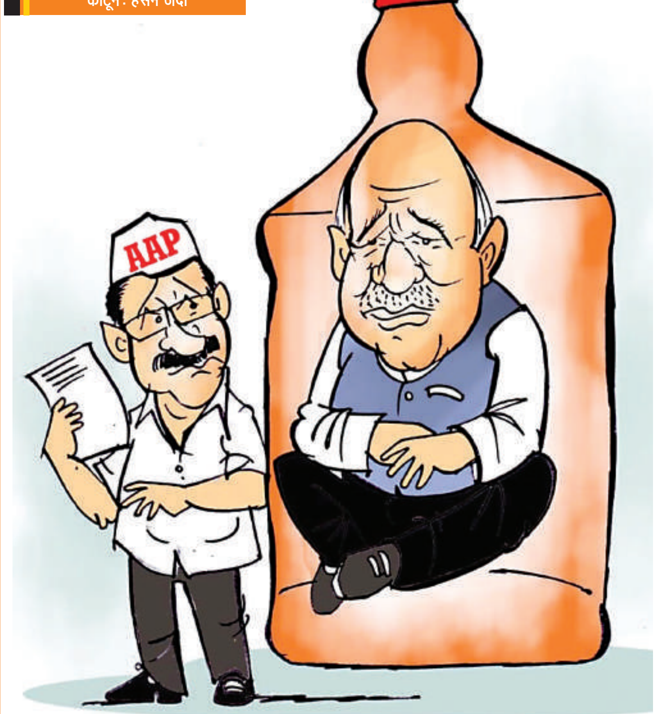

भाजपा का निर्माण असामाजिक न्याय की सोच : तेजस्वी यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उपमुख्मयंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निंदा करते हुए उसे मूल रूप से असामाजिक न्याय की सोच पर आधारित बताया और क्षेत्रीय दलों समेत एक जैसी सोच वाले सभी राजनीतिक दलों से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मिलकर मुकाबला करने की अपील की।

तेजस्वी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के 70वें जन्मदिन पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) द्वारा आयोजित एक कायक्रम में द्रमुक अध्यक्ष की प्रशंसा की और कहा कि उन्हें नेतृत्व का गुण दिवंगत द्रविड़यन

दिग्गज नेताओं- ई वी रामासामी 'पेरियार', सी एन अन्नदुरई और एम करुणानिधि जैसे नेताओं से विरासत में मिला है। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि मजबूत एवं प्रभावी नेतृत्व सामाजिक न्याय के मूल्यों के प्रति दृढ़ता से ही किया जा सकता है। तेजस्वी ने कहा कि खोखले वर्चस्व की राजनीति को केवल भारत के लोगों की सामूहिक इच्छाशक्ति से रोका जा सकता है।

छापेमारी : कानूनी या सियासी, बहस है जारी

सिसोदिया, राउत समेत 12 नेताओं पर कस चुका है शिकंजा

» भाजपा ने कई बार किया सीबीआई, ईडी का दुरुपयोग

» कांग्रेस भी नहीं रही पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की सत्ता में चाहे जिसकी सरकार रही हो, सीबीआई, ईडी, आईटी का दुरुपोग के आरोप सब पर लगते रहे हैं। हालांकि राजनैतिक दल छापों व कार्रवाईयों का जब हिसाब किताब करते हैं तो विपक्ष हमेशा सत्ता पक्ष को आगे दिखाता है। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये छापे कभी-कभी तो राजनीति से भी प्रेरित होते हैं।

अभी हाल ही में कांग्रेस ने आंकड़े जारी करते हुए बताया था कि उनके राज कितने कम छापे मारे गए थे जबकि मोदी सरकार ने पिछले आठ साल में सैकड़ों छापे मारे और विपक्ष नेताओ को निशाना बनाया। विपक्ष का ये आरोप रहता है कि सत्ता पक्ष केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल अपने विरोधियों को फंसाने व उनसे बदला लेने के लिए करता है। तो उसके जवाब में सत्तापक्ष ये कहकर पल्ला झाड़ लेता है कि कानून अपना काम कर रहा है। इसमें कोई संशय नहीं है कि सत्ता पक्ष कभी-कभी विपक्ष को परेशान करने के लिए भी एजेंसियों का प्रयोग करता है। कुछ मामले कोर्ट में पहुंचकर खारिज हो जाते हैं। हालांकि सभी मामले ऐसे नहीं होते हैं। ताजा मामला आप नेता मनीष सिसोदिया का है जिनके याचिका को सुप्रीमकोर्ट ने खारिज कर दिया। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सिलसिला पिछले 8 साल से जारी है।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने बीते दिन 8 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। सिसोदिया पर शराब नीति में घोटाला करने का आरोप लगा है। इसी कथित घोटाले को लेकर महीनों से ईडी और सीबीआई आप नेता से पूछताछ कर रही थी। इससे पहले आम आदमी पार्टी के दूसरे नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने गिरफ्तार किया था। जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में कार्रवाई हुई थी और वह कई महीनों से तिहाड़ में बंद है। सिसोदिया की गिरफ्तारी को आप ने केंद्र सरकार की साजिश करार दिया था। वहीं, इससे पहले कई विपक्षी पार्टियां भाजपा सरकार पर बदले की कार्रवाई का आरोप लगा चुकी हैं। दरअसल, सीबीआई और ईडी बीते कुछ सालों में कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग और घोटालों को लेकर कार्रवाई कर चुकी है। बंगाल, बिहार, झारखंड, छतीसगढ़ और महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों तक पर छापे पड़े हैं और गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

महाराष्ट्र : राउत, देशमुख समेत महाराष्ट्र में कई नेताओं पर शिकंजा

पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की एमवीए (महाविकास अघाड़ी सरकार) सरकार के दौरान कई मंत्रियों और शिवसेना नेताओं पर सीबीआई और ईडी ने अपनी शिकंजा कसा था। उद्धव ठाकरे के करीबी और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के बड़े नेता संजय राउत को बीते साल ईडी ने गिरफ्तार किया था। राउत पर गोरेगांव में एक चॉल की जमीन की हेराफेरी का आरोप था। हालांकि, तीन महीने बाद उन्हें सशर्त जमानत मिल गई थी। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख को नवंबर 2021 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। महाराष्ट्र के ही कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को भी ईडी ने ऐसे ही मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वहीं, महाराष्ट्र के कई और नेताओं पर इस दौरान छापेमारी भी हुई थी।

दक्षिण भारतः चिदंबरम और डीके शिवकुमार जैसे कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम पर भी सीबीआई ने 2019 में शिकंजा कसा था। चिदंबरम पर आईएनएक्स मीडिया को विदेशी निवेश की मंजूरी देने में गड़बड़ी करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। चिदंबरम को कई महीने तक जेल में रहना पड़ा था। वहीं, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था।

गुजरात : भाजपा नेता को ईडी ने किया था गिरफ्तार

ईडी ने गुजरात के भाजपा नेता पीवीएस सरमा को नवंबर 2020 में अखबार के सर्कुलेशन के आंकड़ों में हेरफेर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। सरमा पर आरोप था कि उन्होंने विज्ञापन पाने के लिए आंकड़ों में हेरफेर की थी।

बिहारः राजद नेताओं पर भी हो चुकी कार्रवाई

ईडी और सीबीआई ने बिहार में राजद नेताओं पर भी छापेमारी कर गिरफ्तारियां की। राजद नेता और सांसद एडी सिंह को ईडी ने जून 2021 में कथित उर्वरक घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के लिए गिरफ्तार किया था। वहीं, लालू के करीबी रहे भोला यादव को भी सीबीआई ने बीते साल रेलवे भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया था।

बंगाल : टीएमसी के मंत्री समेत कई पकड़े

पश्चिम बंगाल में ममता बेनर्जी की पार्टी टीएमसी के कई नेता ईडी और सीबीआई की रडार पर रहे। टीएमसी नेता और बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को ईडी ने शिक्षा भर्ती घोटाले में गिरफ्तार किया। पार्थ की एक महिला मित्र के घर से 50 करोड़ से ज्यादा का कैश बरामद हुआ था। इसी मामले में टीएमसी यूथ विंग के नेता कुंतल घोष और शांतनु बनर्जी को भी गिरफ्तार किया गया था। वहीं, मवेशी तस्करी मामले में टीएमसी नेता अनुब्रत मंडल को गिरफ्त में लिया था। अनुब्रत के पास से करोड़ो रुपये का कैश मिला था जिसका वे जवाब नहीं दे पाए थे।

सीबीआई की कार्रवाई की प्रक्रिया

डीएसपीई अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता में प्रदान किए गए प्रावधानों के अनुसार एक बार एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है तो अगला कदम, स्वाभाविक रूप से, अभियुक्त की हिरासत यानी सीबीआई हिरासत है। यदि कोई आरोपी व्यक्ति जिसे गिरफ्तार किया गया है, जमानत पर रिहा नहीं होता है, तो उसे अगले 24 घंटों के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए। जिन मामलों में जांच अधिकारी के लिए आरोपी को उस दिन मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना संभव नहीं होता है, उस दिन गिरफ्तार करने वाले अधिकारी को आरोपी को पुलिस हिरासत में रखना होता है। यह आमतौर पर गिरफ्तार करने वाले अधिकारियों को तैनात करने वाले पुलिस स्टेशन की लॉक अप सुविधाओं का उपयोग करके या निकटतम पुलिस स्टेशन की सुविधा का उपयोग करके किया जाता है। जब आरोपी को रिमांड पर लिया जाता है, तो शाखा के लिए यह अनिवार्य है कि कम से कम एक अधिकारी को लॉक अप की सुरक्षा के लिए तैनात किया जाए। एक व्यक्ति जिसे गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है और एक पुलिस स्टेशन या पूछताछ केंद्र या अन्य लॉक-अप में सीबीआई की हिरासत में रखा जा रहा है, वह अपने एक दोस्त या रिश्तेदार या अन्य व्यक्ति को जानने वाले व्यक्ति को जितनी जल्दी संभव हो सूचित करने का हकदार होगा। हिरासत के स्थान पर डायरी में व्यक्ति की गिरफ्तारी के संबंध में एक प्रविष्टि की जानी चाहिए, जिसमें उस व्यक्ति के अगले मित्र का नाम भी बताया जाएगा, जिसे गिरफ्तारी की सूचना दी गई है और जिन पुलिस अधिकारियों के नाम और विवरण हैं हिरासत में लिया गया व्यक्ति है। हिरासत में रखे जाने के दौरान हर 48 घंटे में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का संबंधित राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के निदेशक, स्वास्थ्य सेवा द्वारा नियुक्त अनुमोदित डॉक्टरों के पैनल के एक डॉक्टर द्वारा चिकित्सा परीक्षण किया जाना चाहिए। निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं सभी तहसीलों और जिलों के लिए भी ऐसा पैनल तैयार करें। इसके अलावा, अगर पुलिस या सीबीआई की हिरासत में कोई व्यक्ति हिरासत के समय किसी भी तरह की चोट या मानसिक बीमारी से पीड़ित है ऐसे व्यक्तियों को चिकित्सा जांच के अधीन होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से भी लगा झटका

ईडी की इन कार्रवाई के खिलाफ विपक्षी पार्टियों ने खूब हल्ला भी किया। सुप्रीम कोर्ट तक ईडी की कार्रवाई को लेकर शिकायत की गई। दरअसल, प्रिवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों की संवैधानिकता को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी गई थी। इस पर अदालत ने कहा था कि ईडी किसी भी राज्य में कार्रवाई कर सकता है और उसे कोई रिपोर्ट देने की भी जरूरत नहीं होगी। कोर्ट ने कहा कि ईडी का केवल कारण बताना ही काफी होगा।

ईडी को मिली है ताकत

धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 यह एक आपराधिक कानून है जिसे धन शोधन को रोकने के लिए और धन शोधन से प्राप्त या इसमें शामिल संपत्ति की जब्ती के लिए अधिनियमित किया गया है। ईडी को को इस तरह के अपराध की आय से प्राप्त संपत्ति का पता लगाने हेतु जांच करने, संपत्ति को अस्थायी रूप से अटैच करने और अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाने और विशेष अदालत द्वारा संपत्ति की जब्ती सुनिश्चित करवाते हुए प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 कानून के तहत विदेशी व्यापार और भुगतान की सुविधा से संबंधित कानूनों को समेकित और संशोधित करने और भारत में विदेशी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित विकास और रखरखाव को बढ़ावा देने के लिए अधिनियमित किया गया है। इस तरह के मामलों में ईडी को जांच के साथ ही जुर्माना लगाने की जिम्मेदारी भी दी गई है। भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 यह कानून आर्थिक अपराधियों को भारतीय न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र से बाहर भागकर भारतीय कानून की प्रक्रिया से बचने से रोकने के लिए बनाया गया था। इस कानून के तहत ऐसे आर्थिक अपराधी, जो भारत से बाहर भाग गए हैं, उनकी संपत्तियों को कुर्क करने के लिए तथा उनकी संपत्तियों को केंद्र सरकार से अटैच करने का प्रावधान किया गया है। विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 के तहत उक्त अधिनियम के कथित उल्लंघनों के लिए अधिनियम के तहत 31 अप्रैल 2002 तक जारी कारण बताओ नोटिस का न्याय निर्णयन करना है। इसके आधार पर संबंधित पर जुर्माना लगाया जा सकता है और एफआईआर के तहत शुरू किए गए मुकदमों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आमजन को एक और झटका

"

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वृद्धि दर घटकर 4.4 प्रतिशत पर आ गई। मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र में गिरावट से वृद्धि दर घटी है। तीसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात बढ़कर 750 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। पिछले वित्त वर्ष में यह 680 अरब डॉलर रहा था।

होली के ठीक पहले घरेलू गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने आम जनता की खुशियों को बेरंग कर दिया है। केंद्र ने सिलेंडर के दामों में 50 रुपये बढ़ाए हैं। इस दाम के बढ़ने से सिलेंडर अब लगभग साढ़े ग्यारह सौ में घर पहुंचेगा। घरेलू ही नहीं कमर्शियल सिलेडरों के दाम में भी इजाफा किया गया है। आम जनता ऐसे ही महंगाई से सहमी हुई थी गैस के दाम बढ़ाकर सरकार ने उसकी चोट पर नमक रगड़ दिया है। सबसे बड़ी बात बिना सब्सिडी वाले एलपीजी या रसोई गैस की कीमत को बढ़ाकर 1,103 रुपये प्रति सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) कर दिया गया है। जबकि विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में चार प्रतिशत की कटौती हुई। यह जुलाई 2022 के बाद पहली वृद्धि है। इसके अलावा विमान ईंधन की कीमत 4,606.50 रुपये प्रति किलोलीटर घटाकर 1,07,750.27 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

विडंबना देखिए माल और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह फरवरी में 12 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। फरवरी 2023 में जीएसटी लागू होने के बाद से अब तक का सबसे अधिक करीब 11,931 करोड़ रुपये का सेस कलेक्शन किया गया। हालांकि इस बार का जीएसटी संग्रह जनवरी के दूसरे सबसे अधिक कलेक्शन 1.57 लाख करोड़ रुपये से यह कम है। अप्रैल 2022 में अब तक का सबसे अधिक 1.68 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया है। हालांकि पेट्रोल व डीजल के दामों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं। पेट्रोल रेट और डीजल रेट में यह कॉस्ट भी जुड़ती है। उधर सरकार ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत हासिल होने का अनुमान लगाया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि वित्त वर्ष 2022-23 में सात प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को मार्च तिमाही में 5-5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने की जरूरत होगी। सरकार के प्रतिनिधि ने पर्याप्त संकेत दिया हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की सेहत ठीक है, लेकिन देश को अल नीनो और मौसम संबंधी अनिश्चितताओं से जूझने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि सात प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर हासिल करने के लिए चौथी तिमाही में 5-5.1 प्रतिशत की वृद्धि दर की जरूरत है। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 19.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। सितंबर तिमाही में वृद्धि दर 23.9 प्रतिशत रही थी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गंभीर अपराधों में सजा दर बढ़ाना जरूरी

आलोक मित्तल

किसी भी देश में आपराधिक मामलों में दोष सिद्धि दर वहां की आपराधिक न्याय प्रणाली की कार्यक्षमता एवं सामर्थ्य को दर्शाती है। भारत में दोष सिद्धि दर लगभग 68 प्रतिशत है, वहीं पाकिस्तान में ये 10 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। विकसित देशों जैसे इंग्लैंड व अमेरिका में दोष सिद्धि दर 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यहां यह बताना जरूरी है कि हत्या, बलात्कार व हत्या के प्रयास जैसे जघन्य अपराधों में भारत में सज़ा दर 40 प्रतिशत से कम है। दोष सिद्धि दर का कम होना न केवल एक अपराधी को अपराध दोहराने की हिम्मत देना है, बल्कि आपराधिक न्याय प्रणाली पर से पीड़ित, उसके परिवार और समाज के विश्वास को भी उठाता है।

एनसीआरबी के वर्ष 2021 के आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश के कई राज्यों में सभी प्रकार के अपराधों में कुल सज़ा दर अभी भी बहुत निम्न है। हाल ही में गृह मंत्रालय द्वारा सूरजकुण्ड, फरीदाबाद में आयोजित सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के गृह मंत्रियों के चिन्तन शिविर में आपराधिक मामलों में सजा दर को बढ़ाने पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। राज्य एकमत थे कि आपराधिक न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है कि अधिकतम मामलों में अपराधियों को अदालतों से सजा मिले। सही मायनों में दोष सिद्धि दर आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रभावशीलता का सबसे सटीक सूचकांक है। भारत में गम्भीर अपराधों में दोष सिद्धि दर का कम होना एक चिंतनीय और विचारणीय विषय है। नि:संदेह दोष सिद्धि को सुनिश्चित करने में पुलिस एवं अभियोजन विभाग की अहम भूमिका होती है। दरअसल, सज़ा दर को बढ़ाने के लिए सबसे पहला कदम सजा दर को आपराधिक न्याय प्रणाली के केन्द्र बिन्दु में लाना होगा। पुलिस व अभियोजन विभागों के मूल्यांकन में सजा दर को सबसे महत्वपूर्ण स्थान देना होगा। इसके लिए समयबद्ध और वैज्ञानिक जांच पर जोर डालना व गम्भीर दंडनीय अपराधों के सभी माामलों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य करना आवश्यक है।

पिछले दो दशकों में पुलिस विवेचना में आने वाली दिक्कतों के मद्देनजर सम्बंधित कानूनों में संशोधन कर पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों को आवश्यक अधिकार दिये गये हैं। वर्ष 2005 में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में संशोधन कर धारा 311ए के तहत मजिस्ट्रेट को आपराधिक मामलों की तफ्तीश के लिए आरोपी सहित किसी सम्बन्धित

व्यक्ति को अपने नमूना हस्ताक्षर या लिखावट देने के आदेश देने की शक्ति दी गई। 100 वर्ष से अधिक पुराने कैदियों की पहचान अधिनियम, 1920 को निरस्त कर बीते वर्ष अगस्त में लागू हुआ नया आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम, 2022 पुलिस अधिकारी को किसी भी अपराध में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का शारीरिक या जैविक (रैटिना का स्कैन, खून, वीर्य, बालों का नमूना आदि) या हस्ताक्षर या लिखावट का नमूना लेने का अधिकार देता है। दोष सिद्धि में गवाहों की अहम भूमिका होती है। आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार हेतु गठित मलिमथ समिति ने गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। वहीं गंभीर अपराधों के मामलों में यह भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि प्रक्रियात्मक कारणों के चलते ट्रायल में अनावश्यक विलम्ब न हो। आज के सूचना और प्रौद्योगिकी के युग में न्यायिक कार्यवाही अभियुक्त व गवाह की शारीरिक उपस्थिति की जगह तकनीकी माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराकर की जानी चाहिए। दंड प्रक्रिया संहिता में अध्याय 22 एवं 23 में कारागारों में बंद विचाराधीन कैदियों की हाजिरी एवं जांचों और न्यायिक प्रक्रिया में साक्ष्य लेने बारे प्रावधान है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 273 में कहा गया है कि साक्ष्य आरोपी की उपस्थिति में लिया जाएगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र राज्य बनाम डॉ. प्रफुल्ल बी देसाई 2003 (4) एससीसी 601 में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि धारा 273 के तहत गवाहों की गवाही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाई जा सकती है। दोष सिद्धि दर कम होने का एक महत्वपूर्ण कारण गवाहों का अपने बयानों से पलटना भी है।

यह सुनिश्चित किया जाना बेहद आवश्यक है कि यदि ट्रायल के दौरान, विशेषकर गम्भीर मामलों में, गवाह पलटते हैं व झूठे बयान देते हैं तो उनके विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 340 के तहत कार्रवाई की जाए। गवाहों द्वारा अपने बयान से मुकरने की समस्या के दृष्टिगत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 161 में वर्ष 2009 में संशोधन कर गवाहों का बयान श्रव्य-दृश्य इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा भी दर्ज करने का प्रावधान किया गया। चूंकि धारा 161 सीआरपीसी के तहत पुलिस के समक्ष दिए गए बयानों पर गवाहों के हस्ताक्षर नहीं होते, अत: महत्वपूर्ण गवाहों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग, विशेषत: गंभीर अपराधों में, अनिवार्य रूप से लागू की जाए।

गठबंधन की खुलती गांठों से निस्तेज प्रचंड

पुष्परंजन

केवल 64 दिन की गठबंधन सरकार। चट ब्याह, पट तलाक। हनीमून मनाने तक का अवसर नहीं मिला। ऐसा राजनीतिक गठबंधन, जिसकी गांठें, सही से बंधी नहीं थीं। ढीली हुईं और एक-एक करके खुलती चली गईं। सात पार्टियों के गठबंधन में से तीन पार्टियां बाहर हो चुकी हैं। 14 सांसदों वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने शनिवार को नाता तोड़ लिया था। 19 सभासदों वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने फरवरी के पहले हफ्ते ही प्रचंड को बाय-बाय बोल दिया था। गठबंधन में सबसे बड़ी नेकपा-एमाले के 79 सांसदों के बूते प्रचंड बहुमत सरकार का दम भरते थे, सोमवार को धड़ाम से जमीन पर आ चुके थे। अब उन्हें सत्ता में रहने के वास्ते नेपाली कांग्रेस का सहारा है। गुरुवार शाम को ही तय हो गया था कि ओली से यारी नहीं करनी।

मंगल-बुधवार तक 16 मंत्री पदों की घोषणा कर देने की योजना बन चुकी है। माओवादी गृहमंत्री का पद अपने पास रखना चाहते हैं। नेपाली कांग्रेस को वित्त और विदेश मंत्रालय चाहिए। मगर, प्रचंड प्रधानमंत्री पद पर कितने दिन रहेंगे? सबसे बड़ा सवाल है। जो नया गठबंधन बना है, उसमें नेपाली कांग्रेस, नेकपा-माओवादी केंद्र, नेकपा (यूनिफाइड सोशलिस्ट), जनता समाज पार्टी, जनमत पार्टी, पीपुल्स फ्रंट नेपाल, लोकतांत्रिक समाज हैं। आठ पार्टियों के बीच मंत्री पद बांटकर उन्हें संतुष्ट करना कोई मजाक नहीं है। निश्चित मानिये कि मंत्री पद और महत्वपूर्ण मंत्रालय नेपाली कांग्रेस के हिस्से आना है। 275 सदस्यीय नेपाली संसद 'प्रतिनिधि सभा' में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के कुल जमा 30 सांसद हैं, उनके नेता प्रचंड कब तक कुर्सी से टिके रहेंगे? लाख टके का सवाल है। पांच साल की सत्ता में ओली की नेकपा-एमाले, ढाई साल बाद सत्ता में साझीदारी करे, इतना सब्र कहां था उनके पास? यह भ्रम तो 9 मार्च, 2023 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले टूट गया। 13 मार्च, 2023 तक राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का दूसरा कार्यकाल है। नेपाली कांग्रेस के राष्ट्रपति प्रत्याशी रामचंद्र पौडेल को प्रचंड का समर्थन मिल रहा था, तभी इसका संकेत मिल गया कि सत्ता के अंत:पुर में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।

तय तो यह हुआ था कि राष्ट्रपति एमाले का होगा, ठीक उसी तरह जैसे विद्या देवी भंडारी नेकपा-एमाले मजबूत स्तंभ की तरह ओली की मददगार रहीं। प्रचंड इस व्यूहरचना को समझ रहे थे कि नेकपा-एमाले का राष्ट्रपति सुबास नेमांग बने तो ओली राजनीति का रिमोट कंट्रोल अपने हाथों से जाने नहीं देंगे। एक जून, 2001 को राजमहल में हत्याकांड के समय यही सुबास नेमांग संसद में स्पीकर थे। राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या समेत 10 लोगों की हत्या की कहानी को स्पीकर नेमांग ने बड़े नाटकीय ढंग से सदन में प्रस्तुत किया था, जिससे उन्होंने राष्ट्रीय शोक को भी हास्य में बदल दिया था। ऐसे नॉन-सीरियस सुबास नेमांग को नेकपा-एमाले ने मई, 2018 में संसदीय दल का उपनेता बनाया था। नये समीकरण से लगता नहीं कि सुबास नेमांग राष्ट्रपति बन पायेंगे। कोई चमत्कार हो जाए तो अलग बात है। संसद के निचले सदन में ओली की नेकपा-एमाले के 79 सांसद हैं। उनसे बड़ी लकीर 89 सांसदों वाली नेपाली कांग्रेस की है। 21 निर्दलीयों को सब लोग मानकर चलते हैं कि ये शाहे वक्त को सलाम करते हैं। नेपाली कांग्रेस और प्रचंड की नेकपा माओवादी वाले नये समीकरण में 'जनमत पार्टी', 'नागरिक उन्मुक्ति पार्टी' और 'जनता समाजवादी पार्टी' के सांसद दिखेंगे।

पिछले गठबंधन में प्रचंड के आगे पेचोखम बहुत सारे थे। राजावादी राप्रपा (राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी) ने शर्त रखी थी कि पौष 27 गते (11 जनवरी) को हिंदू राष्ट्र के संस्थापक गोरखाली राजा पृथ्वी नारायण शाह की जयंती के साथ सार्वजनिक अवकाश घोषित कीजिए, वरना हम आपके साथ नहीं हैं। प्रचंड मान भी गये, मगर परिणाम नकारात्मक ही निकला। नागरिकता की हेराफेरी में दोषी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेता रबि लामिछाने को कोर्ट आदेश से उपप्रधानमंत्री सह-गृहमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दोबारा से नागरिकता मिलने के बाद भी रबि लामिछाने को गृहमंत्री पद न देकर प्रचंड ने संकट को निमंत्रण ही दिया था। पहले राउंड में ही रास्वपा के सभी मंत्रियों ने त्यागपत्र भेज दिया, दूसरा झटका समर्थन वापसी से दे दिया। विगत रविवार को राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के चार मंत्रियों ने प्रचंड को इस्तीफा भेज दिया था, सोमवार को नेकपा-एमाले के आठों मंत्रियों ने पद त्याग की घोषणा कर दी। यों भी, इस गठबंधन को केवल राष्ट्रपति चुनाव तक रोक के रखा गया था।

ओली चुनाव तक शांत रहने का निर्देश दे चुके थे, मगर प्रचंड ने सार्वजनिक रूप से यह कह दिया था कि मंत्रियों को हटाने का समय आ चुका है। बिना पोर्टफोलियो का मंत्री बने रहना है, तो एमाले के सांसद शौक से बने रहें। 17 जनवरी, 2023 को डॉ. विमला राई पौड्याल को नेपाल का विदेश मंत्री बनाया गया था। विमला राई पौड्याल को जिनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में जाना था। ऐसा देश में पहली बार हुआ कि विदेश मंत्री एयरपोर्ट जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी पीएमओ से संदेश आता है कि आप दौरा रद्द कर दें। नेकपा-एमाले के लिए यह निहायत शर्मनाक स्थिति थी। जबकि कैबिनेट ने विमला राई पौड्याल के जिनेवा दौरे को अप्रुव किया था। अब जेनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में नेपाली दल का नेतृत्व प्रचंड के 'मानवाधिकार सलाहकार' गोविंद प्रसाद कोइराला करेंगे। नेपाल में जो कुछ महाभारत हुआ है, उससे सबसे बड़ा धक्का कम्युनिस्ट एकता को पहुंचा है।

पपीता खाने से स्वस्थ्य रहता है शरीर

पपीता स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। अध्ययनों के मुताबिक, पपीते में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को कई गंभीर रोगों से सुरक्षित रखने में मदद करता है। पपीते में विटामिन्स और यौगिकों की मौजूदगी होती है। आहार विशेषज्ञ के मुताबिक, कुछ रोगों से ग्रसित होने पर पपीते का नियमित सेवन करना चाहिए। पपीते में एंटी में एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा अधिक होती है जो कई प्रकार की गंभीर बीमारियों और संक्रमण से सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। कोरोना काल में पपीते को इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए लाभकारी फल माना गया। पपीता विटामिन सी का उत्कृष्ट स्रोत है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। पेट, पाचन तंत्र, त्वचा की रंगत में निखार और अस्थमा जैसी क्रोनिक बीमारियों में पपीते का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। पपीते के सेवन से शरीर को कई फायदे होते हैं।

कैंसर का खतरा होता है कम

विशेषज्ञों के मुताबिक, पपीते में लाइकोपीन यौगिक पाया जाता है, जो कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। जिन मरीजों का कैंसर का इलाज चल रहा है, उनके लिए पपीते का सेवन फायदेमंद है। इसके अलावा पपीते में एंटीऑक्सीडेंट बीटा-कैरोटीन भी पाया जाता है। बीटा-कैरोटीन से भरपूर आहार का सेवन युवाओं में प्रोस्टेट कैंसर के खतरे को कम करता है।

कब्ज में पपीते का करें सेवन

शरीर में कब्ज की शिकायत होने पर रोजाना पपीते का सेवन करना चाहिए। इससे पेट साफ रहता है। पेट दर्द, कब्ज में पपीता लाभकारी होता है। साथ ही त्वचा को भी सेहतमंद रखता है। आंखों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पपीता खाना चाहिए। पपीता शरीर में पानी की कमी को भी दूर करता है।

दाद के उपचार में सहयाक

त्वचा संबंधी कई परेशानियों में से एक दाद की समस्या भी है, जो फंगल इंफेक्शन के कारण होती है। पपीते में एंटीफंगल प्रभाव होता है। यह फंगल इंफेक्शन के उपचार के साथ ही दाद की शिकायत को दूर कर सकता है। पपीते के विभिन्न भाग जैसे कि फल, बीज, छाल, जड़ व पत्तियों का उपयोग दाद यानी रिंगवार्म सहित अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं में लाभदायक हैं।

हड्डियां होती हैं मजबूती

पपीते के सेवन से हड्डियां मजबूत बनती है। पपीता शरीर में विटामिन सी की कमी को दूर करता है। विटामिन सी की कमी से हड्डी टूटने का खतरा अधिक होता है। पपीते में विटामिन-के और कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा पाई जाती है।

डायबिटीज में खाएं पपीता

डायबिटीज के रोगी को खानपान को लेकर सतर्क रहना पड़ता है। पपीते का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छा विकल्प है। अध्ययनों के मुताबिक, टाइप-1 मधुमेह रोगियों को उच्च फाइबर वाले आहार का सेवन करना चाहिए। इससे रक्त शर्करा का स्तर कम हो सकता है। पपीते में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है।

हंसना मना है

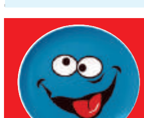

पप्पू और गप्पू बात कर रहे थे...पप्पू बोला - मेरा बॉस सबको परेशान करता था, तो कल शाम को मैंने उसके खाली टिफिन में चुपके से दो चॉकलेट रख दी और एक पर्ची डाल दी। पर्ची में लिखा था- जानू दोनों तुम ही खाना, उस चुड़ैल को मत देना, आज बॉस लंगड़ाते हुए ऑफिस आया था, चेहरा इतना सूजा हुआ था कि एक आंख भी नहीं खोल पा रहा था...!!!

एक शराबी ने दोस्तों के साथ पार्टी का प्रोग्राम बनाया और अपने ही घर से रात को बकरा चोरी किया और खूब दावत की! सुबह जब घर पहुंचा तो बकरा घर पर ही खड़ा था। शराबी ने अपनी बीवी से पूछा- बकरा कहां से आया...? बीवी (गुस्से में) - बकरे को गोली मारो, रात से अपना कुत्ता गायब है...!!!

पति-पत्नी का एक घंटे से चल रहा झगड़ा पति के द्वारा बोली गई सिर्फ एक लाइन में खत्म हो गई... और वो लाइन थी... सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या...?

पत्नी - सुनो जी, अगर मै वक्त होती तो शायद सबको मेरी बहुत ज्यादा कद्र होती ना...? पति - हां प्रियतम, तुम्हारा खौफ होता चारों तरफ! पत्नी - खौफ क्यों होता...? पति - अरे, तुम्हें देखते ही लोग सहम जाते और कहते देखो बुरा वक्त आ रहा है...!!!

कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

जंगल में एक पेड़ के तने के खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को चिल्लाते देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यापार-व्यवसाय में बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। निवेश शुभ रहेगा। भाग्य का साथ रहेगा।

वृषभ

यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंह

शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कन्या

भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी।

धनु

आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकर

यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

मीन

कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी।

पूजा संग भाईजान ने मचाई 'बिल्ली-बिल्ली' से खलबली

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान का लेटेस्ट सॉन्ग बिल्ली बिल्ली का टीजर रिलीज हो गया है। इस गाने में सलमान खान ने महफिल लूट ली है। सलमान खान का डांस देख एक बार फिर लोग पागल हो जाएंगे। अपने हुक स्टेप के लिए मशहूर सलमान खान ने इस गाने में भी कमाल के दांव पेंच दिखाए हैं। गाने का टीजर देख लोगों की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई है। पूजा हेगड़े हुईं पॉपुलर सलमान खान ने 28 फरवरी को ही गाने का टीजर रिलीज करने की जानकारी दे दी थी। इस गाने के टीजर में आपको सलमान खान के साथ दिखाई देंगी पूजा हेगड़े। पूजा हेगड़े सलमान खान के स्टेप से स्टेप मिलाती दिख रही हैं। सूट-बूट में सलमान खान काफी कूल लग रहे हैं। बिल्ली-बिल्ली में उन्होंने कमाल ही कर दिया है। कोई उनकी उम्र का अंदाजा भी नहीं लगा सकता। सलमान खान और पूजा हेगड़े के अलावा टीजर में आपको पूरी स्टारकास्ट की एक हलकी सी झलक देखने को मिलेगी। किसी की भाई किसी की जान का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। वैसे अगर आपको पूरे गाने का इंतजार है तो 2 मार्च के दिन थाम कर इंतजार कीजिए पूरा बिल्ली-बिल्ली आपको दिखाई भी देगा और सुनाई भी देगा।

बॉलीवुड | मसाला

फिर एक बार मची तबाही

फिल्म के लिए ईद का इंतजार करना होगा। भाईजान अपने फैंस की ईद का पूरा-पूरा ख्याल रखते हैं। इस बार अप्रैल की ईद बेहद खास होगी। ईद पर धमाल मचाने और एक बार फिर ट्रेंड सेट करने सलमान खान आ रहे हैं। इस साल टाइगर 3 भी रिलीज होगी जिसका फैंस कबसे इंतजार कर रहे हैं। स्क्रीन पर कैटरीना कैफ के साथ उनकी जोड़ी को हमेशा से ही बहुत पसंद किया जाता रहा है।

अब दिमाग का भी कमाल दिखाएंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की देसी गर्ल ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और इसमें दो राय नहीं है कि अभिनेत्री की फैन फॉलोइंग पूरी दुनिया में फैली है। भारत में नाम कमाने के बाद अभिनेत्री इस समय हॉलीवुड पर राज कर रही हैं। प्रियंका के पास इस समय बहुत सारे प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें से एक जहां बहुप्रतीक्षित ओटीटी प्रोजेक्ट सिटाडेल है, वहीं अभिनेत्री के पास एक और रोमांचक प्रोजेक्ट है और अंदाजा लगाइए क्या? प्रियंका अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत एक वेब सीरीज का निर्माण भी करने जा रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने सिटाडेल के अपने फर्स्ट लुक से इंटरनेट पर धमाल मचा दिया

और जहां प्रशंसक इस सीरीज के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, वहीं खबरें आ रही हैं कि अभिनेत्री ने अपनी अगली डिजिटल सीरीज साइन कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका चोपड़ा की यह वेब सीरीज तान्या सेल्वारत्नम के संस्मरण अज्यूम नथिंग पर आधारित होगी। प्रियंका चोपड़ा से इसमें मुख्य भूमिका निभाने को लेकर बातचीत चल रही है। प्रियंका इस सीरीज में न केवल अभिनय करेंगी बल्कि अपने बैनर पर्पल पेबल पिक्चर्स के तहत इसका निर्माण भी करेंगी। अपनी बुक में सेल्वारत्नम ने न्यूयॉर्क के अटॉर्नी जनरल एरिक श्नाइडरमैन, जो महिलाओं के अधिकारों के वकील के साथ डेटिंग करते समय आई दिक्कतों के बारे में बताया गया है।

इसी के कारण एरिक श्नाइडरमैन का करियर खत्म होना शुरु हुआ था। हालांकि, अभी इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है और न ही सीरीज की स्टार कास्ट को लेकर कुछ ज्यादा अपडेट मिला है।

बॉलीवुड | मन की बात

कड़ी मेहनत और विनम्रता को सबसे ऊपर रखती हूं: दीपिका

सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'पठान' को देश ही नहीं विदेशों में भी दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। शाहरुख खान की कमबैक फिल्म हर दिन नई ऊंचाइयों छू रही है। रिलीज के एक महीने बाद भी फिल्म का फीवर ऑडियंस के सिर से उतरा नहीं है और ये अभी भी ग्लोबली जमकर कलेक्शन कर रही है। हालांकि फिल्म को रिलीज से पहले काफी विवादों का भी सामना करना पड़ा था। 'पठान' के सॉन्ग 'बेशर्म रंग' में दीपिका पादुकोण की भगवा बिकिनी पर काफी बवाल मचा था। वहीं इस पूरे विवाद के दौरान 'पठान' की लीड स्टारकास्ट चुप्पी साधे रही। अब जब 'पठान' सुपर सक्सेसफुल हो चुकी है तो फिल्म की एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने 'पठान' पर मचे बवाल के दौरान अपने चुप रहने को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। दीपिका ने खुलासा किया कि क्यों वह और शाहरुख खान 'पठान' को लेकर हुए विवाद के दौरान शांत रहे थे। एक्ट्रेस ने कहा कि वे दोनों ऐसे लोग हैं जो कमिटमेंट, कड़ी मेहनत और विनम्रता को सबसे ऊपर रखते हैं। स्पोर्ट्स बैकग्राउंड से आने के कारण उन्होंने पेशंस रखने के बारे में काफी कुछ सीखा है। दीपिका पादुकोण ने आगे कहा, मैं हम दोनों के लिए यह कह सकती हूं कि हम कोई दूसरा तरीका नहीं जानते हैं। मुझे लगता है कि यह वही है जो हम लोगों के रूप में है और जिस तरह से हमें हमारे रिस्पेक्टिव फैमिली द्वारा लाया गया है। हम यहां (मुंबई में) अकेले ही सिर्फ सपने और कई उम्मीदें लेकर आए थे। हम केवल कमिटमेंट्स, हार्ड वर्क और ह्यूमिलिटी जानते हैं और इसने हमें वह जगह दी है जहां हम आज हैं। इसमें से कुछ एक्सपीरियंस और मैच्योरिटी के साथ आता है। हम दोनों एथलीट रहे हैं। मुझे पता है कि वह स्कूल और कॉलेज में स्पोर्ट्स खेला करते थे, खेल आपको पेशंस के बारे में बहुत कुछ सिखाता है।

ये जूते पहनकर चलें, मोबाइल व लैपटॉप होगा चार्ज!

हासमुंद. छत्तीसगढ़ की 11वीं क्लास की तीन छात्राओं ने एक बार फिर ऐसा कमाल कर दिया है, जिसे जानकर हर कोई हैरान हो रहा है। पिथौरा में सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल की तीन स्टूडेंट ने इस बार ऐसा हाईटेक जूता बनाया है, जो आपकी लोकेशन ट्रैक कर सकता है और आपके मोबाइल फोन या लैपटॉप की चार्जिंग के लिए उपयोगी हो सकता है। इस इनोवेशन की हर जगह तारीफ हो रही है और अब जल्द ही ये छात्राएं इस जूते को बाजार में उपलब्ध करवाने की तैयारी में भी हैं। भविष्य में हो सकता है बड़ी वैज्ञानिक बनें इसलिए इन तीन छात्राओं के नाम याद कर लीजिए, मेघा सिन्हा, अलीफा भोई और प्रीति चौहान। इन तीनों ने पिथौरा के संस्कार शिक्षण संस्थान की मदद से यह जूता तैयार किया है। संस्थान के युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर ने बताया इस हाईटेक जूते को पहनकर पैदल चलने से ही मोबाइल और लैपटॉप चार्ज किया जा सकेगा। इस जूते में ऐसा सिस्टम लगाया गया है, जो किसी खतरे के समय हाई वोल्टेज का झटका देकर बचाव करेगा। जूते में जीपीआरएस सिस्टम भी है। यानी किसी भी जगह से आपातकाल में पुलिस थाने और परिवार के सदस्यों तक कहीं भी मैसेज भेजा जा सकेगा। मेघा, अलीफा और प्रीति ने बताया यह जूता सेना के जवानों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए काफी मददगार साबित हो सकता है। अब तीनों यह हाईटेक जूता बाजार में सिर्फ 1500 रुपये की कीमत में उपलब्ध करवाने की तैयारी में हैं। इसमें भी संस्कार शिक्षण संस्थान इन छात्राओं की मदद करने जा रहा है। इस इनोवेशन से जुड़ी जानकारियों के लिए आप गौरव चंद्राकर के मोबाइल नंबर 9993257295 पर बात कर सकते हैं। आपको यह भी बताएं कि कुछ महीने पहले ही ये छात्राएं एक हाईटेक चश्मा भी बना चुकी हैं। उनका दावा है कि झपकी लगने पर यह चश्मा वाइब्रेट करेगा और इससे खास तौर से वाहन दुर्घटनाओं से बचाव में मदद मिलेगी।

अजब-गजब | रिवाज के पीछे है अजीबो-गरीब वजह

इस गांव में कोई नहीं पहनता कपड़े

दुनिया में अजीबोगरीब चीज़ों की कमी नहीं है। कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देती हैं। मसलन अगर किसी जगह पर लोग कुछ खास चीज़ें नहीं खाते हैं या कुछ ऐसा पहनते हैं, जो और कहीं नहीं पहना जाता। आपने ऐसी जनजातियों के बारे में सुना होगा, जहां लोग सिले हुए कपड़े आज तक नहीं पहनते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताएंगे, जहां लोग कपड़े ही नहीं पहनते हैं।

भारत में एक ऐसा गांव है, जहां महिलाएं 5 दिनों के लिए कपड़े नहीं पहनतीं, लेकिन हम जिस जगह की बात कर रहे हैं वो ब्रिटेन में है। ऐसा नहीं है कि ये लोग किसी जनजाति से संबंधित हैं और इनके पास कपड़े खरीदने के पैसे नहीं हैं। धन-दौलत होने के बाद भी यहां महिलाएं-पुरुष और बच्चे भी बिना कपड़ों के ही रहते हैं। ये हर्टफोर्डशायर में मौजूद है और इसका जगह का नाम स्पीलप्लाट्ज़ है। स्पीलप्लाट्ज़ नाम का ये काम कई बार सुर्खियां बटोर चुका है क्योंकि यहां के लोग बिना कपड़ों के ही रहते हैं। इस गांव में ये परंपरा करी 85 सालों से चली आ रही है। यहां रहने वाले लोग कोई दुनिया से कटे नहीं हैं। वे पूरी तरह शिक्षित और अमीर भी हैं। आम लोगों की तरह उन्हें क्लबिंग, पब और स्वीमिंग पूल का भी शौक है। बावजूद इसके ये लोग न तो कपड़े खरीदते हैं और न ही पहनते हैं। बच्चे-

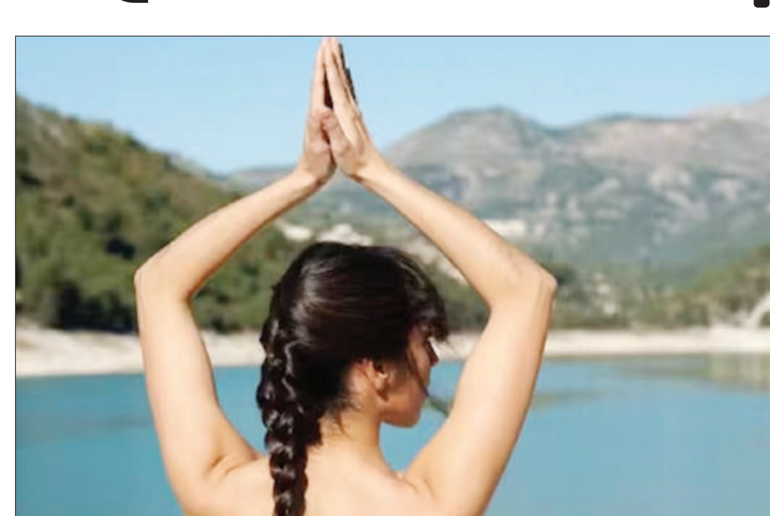

बूढ़े, महिला-पुरुष, हर कोई यहां बिना कपड़ों के ही रहता है और उन्हें इसमें कुछ भी असहज नहीं लगता है। इस गांव को साल 1929 में इसुल्ट रिचर्डसन ने खोजा था। यहां पर जो लोग घूमने के लिए आते हैं, उनके लिए भी व्यवस्था वही है। अगर उन्हें यहां रहना है तो बिना कपड़ों के ही रहना होगा। हालांकि सर्दियों में लोग कपड़े पहन सकते हैं या फिर अगर उनकी इच्छा है, तो भी कपड़े पहनने पर उन्हें कोई रोकेगा नहीं। इसके अलावा गांव से बाहर शहर जाते हुए भी लोग कपड़े पहन लेते हैं लेकिन वापस आते ही वो फिर से बिना कपड़ों के रहने लगते हैं। लोग आज़ादी महसूस करने के लिए ऐसा करते हैं। आपस में लोग इसके परिचित और घुले-मिले हैं कि उन्हें इसमें कुछ भी असहज नहीं लगता। पहले कुछ सामाजिक संस्थाएं इसका विरोध करती थीं लेकिन अब कोई कुछ नहीं कहता।

जहरीली शराब से हुई मौत पर मुआवजा देगी नीतीश सरकार

» सीएम ने कहा मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिलाने के लिए बुलाएंगे सर्वदलीय बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में शराबबंदी लागू है लेकिन जहरीली शराब से अब तक कई मौतें हो चुकी हैं। हाल ही में छपरा में बड़ी संख्या में लोगों की जहरीली शराब से मौत हुई थी। इसको लेकर विपक्ष ने सरकार से मुआवजे की मांग की थी। हालांकि नीतीश कुमार ने साफ मना कर दिया था कि वो मुआवजा नहीं देंगे। यहां तक कहा था कि जो पिएगा वो मरेगा। बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में एक बार फिर इस पर बहस हुई। नीतीश कुमार ने इसके उलट बयान दिया और वह यू-टर्न लेते दिखे। कहा कि जो लोग मर जाते हैं उनके परिवारों को मुआवजा मिलना चाहिए या नहीं इसके लिए सर्वदलीय बैठक बुलाएंगे।

जहरीली शराब से मौत और मुआवजे पर अपनी बात कहते हुए विधान परिषद में सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2016 में शराबबंदी को लागू किया गया था। 2016 में निर्णय लिया गया था कि जो गड़बड़ करेगा उसी से मुआवजा दिलवाएंगे। जब तक वो नहीं देगा तब तक हम लोग अपने पास से दे दें। फिर मामला कोर्ट में चला गया। अभी तो हम लोग कुछ नहीं कर रहे हैं।

परिजनों को दिलवानी है शपथ : मुख्यमंत्री

विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नीतीश कुमार ने आगे कहा कि जहरीली शराब पी कर मौत होती है तो पीने वाला तो मर जाता है, लेकिन जो पीकर मर गया अब उसके परिजनों को शपथ दिलवाई जाएगी। बताएंगे कि देखो पीने के कारण मर गया। नीतीश ने अपने संबोधन में कहा कि मृतक के परिजनों को आगे से जो भी सहयोग मदद करना हो या मदद करनी हो तो इन सब चीजों पर सब लोग बैठकर विचार कर लीजिए। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि शराबबंदी उनका अकेले का या किसी पार्टी का निर्णय नहीं था। सब लोगों ने मिल कर इस पर निर्णय लिया था। सीएम ने विपक्ष से कहा कि जब कहिएगा हम ऑल पार्टी मीटिंग करा देंगे ताकि सब मिलकर सर्वसम्मति से निर्णय लें सकें।

संगठित अपराध के खिलाफ अशोक गहलोत सरकार लाएगी विधेयक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान मंत्रिमंडल ने राजस्थान संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2023 का अनुमोदन कर दिया। इसे शीघ्र ही विधानसभा में पेश किया जाएगा। अगर यह विधेयक कानून का रूप ले लेता है तो राज्य में संगठित अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो पाएगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को विधानसभा में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश में आर्थिक, सामाजिक विकास, उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने,राज्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने, औद्योगिक गतिविधियों को ब ?ावा देने और संगठित अपराधों को नियंत्रित करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

अशोक गहलोत मंत्रिमंडल के फैसले

इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टिट्यूट को जोधपुर में स्थापित करने से संबंधित विधेयक का अनुमोदन किया है। विधेयक को विधानसभा में पेश किया जाएगा।मंत्रिमंडल की बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

गहलोत सरकार की ओर से लाए गए राजस्थान संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2023 में संगठीत अपराध के मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के गठन का प्रावधान है। इस तरह के मामलों में अग्रिम जमानत का प्रावधान नहीं होगा। इसके अलावा इस तरह के मामलों की जांच डीएसपी या उससे ऊपर के अधिकारी ही करेंगे। विधेयक में गवाहों को सुरक्षा देने और उनकी पहचान गुप्त रखने की बात कही गई है। उनकी पहचान सार्वजनिक करने वालों के लिए एक साल की सजा का प्रावधान किया गया है।

राजस्थान संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2023 को शीघ्र ही विधानसभा में पेश किया जाएगा। इसमें पीड़ित की मृत्यु होने पर अपराधी को मृत्युदंड या आजीवन कारावास और न्यूनतम एक लाख रुपये के अर्थदंड का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही आपराधिक षड्यंत्र, गिरोह के सदस्यों को शरण देने के मामले में न्यूनतम पांच साल तक के कारावास और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है।

बेकाबू पिकअप पेड़ से टकराई तीन की मौत, पांच घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में बीती रात चालक को नींद आने के कारण पिकअप गाड़ी घाटमपुर-नौरंगा मार्ग किनारे पेड़ से टकरा गई।हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में जुटी है।

मृतकों में रमजान (24) पुत्र पप्पू निवासी ग्राम हलधरपुर थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात, आरिफ (27) पुत्र पप्पू निवासी मोहल्ला पहलवान बाड़ा कस्बा और थाना जालौन, गुड्डू निवासी मोहल्ला पहलवान बाड़ा कस्बा व थाना जालौन शामिल हैं। घायलों में सना (20) पत्नी रमजान निवासी ग्राम हलधरपुर थाना भोगनीपुर जनपद

कानपुर देहात, सना की वर्षीय मासूम बेटी अनम सुरक्षित है।

रूबी (18) पुत्री बबलू मंसूरी निवासी मोहल्ला पहलवान वाड़ा कस्बा व थाना जालौन जनपद, इरफान (12) पुत्र बबलू मंसूरी निवासी मोहल्ला पहलवान बाड़ा कस्बा व थाना जालौन, लवकुश (14) पुत्र राजेश निवासी ग्राम ककरहिया थाना इकदिल जनपद इटावा घायल हैं। सभी घायलों को घाटमपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

विधायक इरफान सोलंकी भू-माफिया घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा विधायक इरफान सोलंकी का नाम भू माफिया की सूची में शामिल कर लिया गया है। विधायक के साथ गैंगस्टर एक्ट में शामिल आरोपियों को भी जल्द ही इसी सूची में शामिल किया जाएगा। भू माफिया की सूची में नाम आने के बाद पुलिस की कार्रवाई का दायरा भी बढ़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक भू माफिया सूची में नाम आने से विधायक की दिक्कतें और बढ़ेंगी।

भू माफिया की पुरानी सूची में विधायक का नाम नहीं था। वहीं उनके भाई रिजवान का नाम उन्नाव की भू माफिया सूची में शामिल है। कानपुर पुलिस कमिश्नरी बनने के बाद एक बार फिर पुलिस ने भू माफिया सूची पर काम करना शुरू किया है। नए सिरे से उन लोगों को चिह्नित किया गया जो विवादित संपत्तियों की खरीद फरोख्त में शामिल है। ज्वाइंट सीपी आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई उनके खिलाफ भी होती है जो विवादित संपत्तियों की खरीद फरोख्त में शामिल रहते हैं। अन्य आरोपियों को भी भू माफिया सूची में शामिल किया जाएगा।

अश्विन बने दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ा, जडेजा भी टॉप-10 में

नई दिल्ली। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़कर टेस्ट में गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में अश्विन ने छह विकेट हासिल किए थे और भारत की जीत में अहम योगदान दिया था। इसी प्रदर्शन के चलते वह टेस्ट में गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में इंग्लैंड को एक रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही एंडरसन गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आ गए।

अश्विन पहली बार 2015 में टेस्ट में नंबर एक गेंदबाज बने थे। इसके बाद से वह लगातार पहले स्थान पर आते रहे हैं। 36 साल के अश्विन ने दिल्ली में मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ के अहम विकेट लेकर भारत की जीत में योगदान दिया था। इसके बाद उन्होंने एलेक्स कैरी को भी आउट किया था। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती पांच में से तीन विकेट अश्विन ने लिए थे, जबकि जडेजा ने बाकी विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को छोटे स्कोर पर समेट दिया था। अश्विन इंदौर और अहमदाबाद में अच्छा प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान पर अपनी जगह लंबे समय के लिए पक्की कर सकते हैं।

पिछले तीन सप्ताह में तीन अलग-अलग गेंदबाज पहले स्थान पर रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस फरवरी में टेस्ट में शीर्ष गेंदबाज थे, इसके बाद जेम्स एंडरसन ने उन्हें पीछे छोड़ा और पहले स्थान पर पहुंचे। अब अश्विन ने उन्हें हटाकर बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। एंडरसन को सात अंक का नुकसान हुआ है और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनके पास 859 रेटिंग प्वाइंट हैं। वहीं, शीर्ष पर काबिज अश्विन के पास 864 रेटिंग प्वाइंट हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले जडेजा गेंदबाजी रैंकिंग में आठवें स्थान पर आ गए हैं। वहीं, टेस्ट ऑल-राउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत की है।

वनडे में असद वाला को फायदा

पापुआ न्यू गिनी के असद वाला मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में बल्ले और गेंद से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह वनडे में ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं। स्कॉटलैंड के स्पिनर मार्क वाट नेपाल में चार मैचों में 13 विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारत जोड़ो यात्रा एक जर्नी थी, जहां लोगों ने खुद की जगह दूसरों को सुना : राहुल गांधी

» कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में लर्निंग टू लिसन में बोले, भारत के मुद्दों को उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिजनेस स्कूल के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा एक जर्नी है, जिसमें लोग खुद के बजाए दूसरों को सुनते हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के जरिए वह भारत में बेरोजगारी, अन्याय और लगातार बढ़ रही असमानता की ओर ध्यान खींचा। राहुल की 7 सितंबर को शुरू हुई इस यात्रा ने करीब 3570 किमी का सफर तय किया है। कुल 146 दिन के इस सफर में राहुल ने 14 राज्यों की सीमाओं को छुआ है।

हम एक ऐसी दुनिया को बनते हुए नहीं देख सकते, जो लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ी हुई न हो। इसलिए, इस बारे में हमें नई सोच की जरूरत है। राहुल का संबोधन लर्निंग टू लिसन यानी सुनने की

कला पर फोकस था। उन्होंने कहा कि सुनने की कला बहुत पावरफुल होती है। इस दौरान उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए नई सोच का आह्वान किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि दुनिया में लोकतांत्रिक माहौल को बढ़ावा देने के लिए नई सोच जरूरी है, लेकिन उसे थोपा न जाए। अपने भाषण के दौरान राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा का भी जिक्र किया। राहुल के भाषण का दूसरा हिस्सा सेंकेंड वर्ल्ड का जिक्र था, जो मुख्य रूप से सोवियत संघ के 1991 के विघटन के बाद से अमेरिका और चीन के दो अलग-अलग पहलू पर फोकस था। राहुल गांधी ने कहा कि मैन्युफैक्च रिंग से संबंधित नौकरियों को खत्म करने के अलावा अमेरिका ने 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के बाद से अमेरिका ने खुद को समेट लिया है। जबकि चीन ने कम्युनिस्ट पार्टी के ईद गिर्द के संगठनों के जरिए हारमोनी को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत और अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देशों में लगातार घट रही मैन्युफैक्चरिंग का जिक्र करते हुए कहा कि इस बदलाव ने व्यापक स्तर पर असमानता और नाराजगी को जन्म दिया है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। राहुल के लेक्चर का आखिरी हिस्सा इम्पेरेटिव फॉर ए ग्लोबल कंजरवेशन विषय से जुड़ा हुआ था। उन्होंने अलग-अलग पहलू को अपनाने के लिए नए तौर तरीकों के लिए आह्वान में अलग-अलग डाइमेंशन को साथ पिरोने की कोशिश की। उन्होंने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के छात्रों को यह भी समझाया कि यात्रा एक तीर्थयात्रा है, जिससे लोग खुद ही जुड़ जाते हैं, ताकि वे दूसरों को सुन सकें।

भारतीयों को भी संबोधित करेंगे

जानकारी के मुताबिक, लर्निंग टू लिसन इन द 21वीं सेंचुरी विषय पर राहुल ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित कर सकते हैं। कैम्ब्रिज जेबीएस ने ट्वीट कर कहा था कि हमारा कैम्ब्रिज भारत के प्रमुख विपक्षी दल के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का स्वागत कर खुश हैं।

विधानपरिषद में बोले सीएम योगी छह साल में बदली यूपी की पहचान

» सदन से सपा सदस्यों ने किया वॉकआउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा सत्र के 10वें दिन सीएम योगी ने बजट पर विधान परिषद में संबोधन दिया। सीएम योगी ने कहा, 2017 के पहले संगठित अपराध के साथ पैरलल सरकार चलती थी। बहन बेटियों को सुरक्षा का खतरा था। आज 6 वर्ष में यूपी की पहचान बदली। नौजवान आज गर्व से कहता है कि वह उत्तर प्रदेश का है। आज बेहतर लॉ एंड ऑर्डर है। बेहतर कनेक्टिविटी है। हमने सेक्टोरियल पॉलिसी बनाई। एंटी भू माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया। आज हमारे पास भारी भरकम लैंड बैंक मौजूद है।

विधान परिषद से समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने दिनभर के लिए वॉकआउट कर दिया। सीएम योगी ने कहा, ये लोग प्रदेश के बच्चों के हक को हड़प जाते थे। तब आपको जाति नहीं याद आती थी क्या? तुलसीदास जी ने मध्यकाल में ही कहा था कि मेरा एक ही राजा है, राजा राम। उत्तर प्रदेश में जिन्होंने राम को कोसा था और कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। उन्हें जनता ने कहां पहुंचा दिया... देख सकते हैं। अच्छा होता वो चर्चा में भाग लेते, लेकिन वो भाग खड़े हुए।

डीजल कटौती से खफा ड्राइवर टावर पर चढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ कैसरबाग स्थित अवध डिपो वर्कशॉप के पास बने मोबाइल टावर पर गुरुवार सुबह एक बस ड्राइवर चढ़ गया। ड्राइवर मोबाइल टावर से कूदने की धमकी दे रहा था। ड्राइवर अलीगढ़ डिपो का बताया जा रहा हैं। वहीं ड्राइवर को बचाने के लिए मौके पर पुलिस और डिपो के अधिकारी पहुंचे वो ड्राइवर से बातकर उसे समझा-बुझाकर मोबाइल टावर से नीचे उतरा।

अलीगढ़ डिपो का संविदा ड्राइवर राजू सैनी अवध डिपो परिसर में लगे मोबाइल टावर पर स्पीकर लेकर चढ़ा गया। डीजल कटौती से नाराज राजू का कहना था कि उसे कुछ चाहिए नहीं, सिस्टम दुरुस्त करिए। क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ मनोज कुमार ने बताया कि राजू कुछ साल पहले अलीगढ़ में भी पानी की टंकी पर चढ़कर हंगामा कर चुका है।

गंगोत्री हाईवे पर चट्टान गिरी, टला बड़ा हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे डबरानी में भारी भूस्खलन से आवाजाही ठप हो गई है। यहां आज गुरुवार सुबह अचानक चट्टान भरभरा कर हाईवे पर आ गिरी। चट्टान के हाईवे पर आने से हाईवे पर भी दरारें उभर आई हैं। सूचना पर बीआरओ की टीम मशीनरी के साथ हाईवे को खोलने के काम में जुट गई है।

गुरुवार सुबह गंगोत्री हाईवे पर डबरानी में अचानक चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर हाईवे पर आ गिरा। गनीमत रही कि इसकी जद में कोई नहीं आया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। वहीं चट्टान टूटने से हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। सूचना पर बीआरओ ने अपनी तीन

मशीन सहित करीब 10 मजदूरों की टीम को मौके भेजा। जिसने हाईवे पर आवाजाही बहाल करने का काम शुरू कर दिया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि करीब तीन घंटे बाद छोटे वाहनों के लिए आवाजाही बहाल कर दी गई है। दोपहर तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

गैस के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गैस के दाम बढ़ने पर प्रदेश कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। हालांकि पुलिस ने कांग्रेसियों को प्रदेश कार्यालय के आगे नहीं बढ़ने दिया। प्रदेश मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिलेंडर व सरकार विरोधी नारे लगाए तख्तियों के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा निकाला। इस प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, नसुमद्दीन सिद्दकी व नकुल दूबे व अन्य नेताओं ने भी भाग लिया।

उधर, उत्तराखंड में कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने चूल्हे पर आलू उबाले और गैस सिलिंडर को सिर पर उठा कर विरोध जताया। इसके साथ ही केंद्र सरकार का पुतला भी फूंका गया। मौके पर मौजूद विधायक सुमित्र हृदेश ने भी सिलिंडर को सिर पर उठाकर विरोध किया।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।